तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 18.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

10 शिक्षा छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार: रविंद्र

10 पिता के दिखाए रास्ते पर चल हर सपने को करूंगा पूरा

खबर संक्षेप

छात्र पर चाकू से हमला नौ के खिलाफ केस दर्ज

जींद। नरवाना पालिटेक्निकल कालेज के बाहर चाकू से हमला कर छात्र को घायल करने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने पांच युवको को नामजद कर चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सिसंर निवासी आदित्य ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह नरवाना पालिटेक्निकल कालेज मे प्रथम वर्ष का छात्र है। गत दिवस उसका दोस्त यश अपने साथी के साथ कक्षा मे मस्ती कर रहा था। उनके सहपाठी ललित ने उनकी वीडियो बनी ली।

राड मारकर व्यक्ति को किया घायल

जींद। गांव पालवां मे रजिशन राड से हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव पालवा निवासी मंदीप ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उसकी गांव के ही रामधन से कहासूनी हो गई थी। जिस पर रामधन से उस पर राड से हमला कर दिया। जिसमे उसे काफी चोटे आई। उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर रामधन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान का ताला तोड़कर नकदी तथा जेवरात चोरी

जींद। नरवाना मे परिवार के लोग पूजा अर्चना के लिए बाहर गए हुए थे। पीछे से चोरो ने मकान का ताला तोड एक लाख 10 हजार रुपये की नकदी तथा जेवरात को चोरी कर लिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक युवक के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है।

नरवाना नई बस्ती निवासी प्रकाशो देवी ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह परिवार समेत पंजाब मे पूजा अर्चना के लिए गई हुई थी।

पोल्ट्री फार्म से 83 कट्टे गेहूं चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव लौन पोल्ट्री फार्म से 83 कटटे गेहूं के गायब होने पर गढी थाना पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव लौन निवासी कृष्ण ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि उसके पोल्ट्री फार्म मे 83 कटटे गेहू के रखे हुए थे। बीती रात किसी व्यक्ति ने गेहू के कटटो को चोरी कर लिया। गढी थाना पुलिस ने कृष्ण की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। थाना गुहला में दर्ज ट्रक चोरी के मामले का एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में शिकायतकर्ता ही आरोपी निकला। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वार्ड नंबर 11 गुहला निवासी बलविन्द्र की शिकायत अनुसार उसका ट्रक जो नगर खेड़ा बाबा के सामने खड़ा था, जिसे 9 अप्रैल की रात अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिस बारे थाना गुहला में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए थे।

जेबतराशी मामले में आरोपी गिरफ्तार

कैथल। बस स्टैंड कैथल से हुई जेबतराशी की वारदात को सुलझाते एंटी नारकोटिक सैल द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-19 पार्ट-2 कैथल निवासी गोपाल दास की शिकायत अनुसार 14 फरवरी कोबस स्टैंड कैथल पर करनाल जाने के लिए बस में सवार होते समय किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी जेब से करीब 15-16 हजार रुपये चोरी कर लिए गए। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज किया गया था।

दमकल कर्मचारियों की हड़ताल ने फुलाई सरकार और अधिकारियों की सांसें

वैकल्पिक चालक व युवाओं के हाथों आग बुझाने की जिम्मेदारी

नरेश पंवार ▶▶| कैथल

जिले में इस समय गेहूं का सीजन चरम पर है। खेतों में कटाई जोर शोर से जारी है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सीजन में आगजनी की घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन वर्तमान में प्रदेश व जिले में चल रही दमकल कर्मियों की हड़ताल ने सरकार व अधिकारियों की सांसे फुला दी हैं। यह भी सामने आया है कि सरकार द्वारा कर्मचारियों की मांगे नहीं मानी जा रही हैं जिस कारण कर्मचारी हड़ताल पर उतर आए हैं। ऐसे में यदि सीजन के दौरान खेतों या अन्य स्थान पर आगजनी की घटना होती है तो वह किस कदर काबू होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि हड़ताल से निपटने को लेकर दमकल विभाग ने रोडवेज चालकों और कुछ युवाओं को तैनात किया है लेकिन आगजनी की घटना से निपटना सहज नहीं माना जा रहा है। बता दें कि हड़ताल के चलते दमकल विभाग ने रोडवेज के 17 चालकों व अग्नीशमन का प्रशिक्षण ले रहे 12 विद्यार्थियों को वॉलंटियर्स के तौर पर मैदान में उतारा गया है। साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 23 गाड़ियों की तैनाती कर त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था बनाई गई है। गौरतलब है कि जिले में हर साल करीब 400 के आसपास जिले में गेहूं के सीजन में आग की घटनाएं होती हैं। विभाग ने गेहूं के सीजन के समय व्यवस्था बनाए रखने और एमरजेंसी में आग की घटनाओं पर काबू पाने के लिए 17 रोडवेज के चालक अस्थायी तौर पर बुलाए हैं। विभाग ने रोडवेज से 20 चालक मांगे थे, लेकिन 17 ही मिले। वहीं 12 युवा वालंटियर के रुप में आग बुझाने के लिए तैनात किए गए हैं। ये सभी युवा फायर फाइटर का कोर्स कर रहे हैं। इसमें 4 युवा नरवाना आईटीआई और 8 युवा नीलम विवि से आए हैं। इसके अलावा कैथल आईटीआई से फायर फाइटर का कोर्स करने वाले छात्रों को एमरजेंसी के समय विभाग में सहयोग करने के लिए पत्र लिखा गया है।

कैथल। दमकल केंद्र में खडी गाड़ियां।

अस्थायी तौर पर किया तैनात

जिला दमकल अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि दमकल कर्मचारियों की हडताल के चलते रोडवेज से चालक और दो जगहों से प्रशिक्षु फायर फाइटरों को अस्थायी तौर पर तैनात किया गया है, ताकि हड़ताल के दौरान आग की घटनाओं पर काबू किया जा सके। ये प्रशिक्षु अपनी इच्छा से बिना किसी शुल्क के सहायता कर रहे हैं।

अभी हड़ताल और चलेगी

जिले में 51 फायर ब्रिगेड से जुड़े कर्मचारी हड़ताल पर हैं। फायर कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान शमशेर सिंह ने बताया कि उनकी मांग है कि फरीदाबाद में हुए औद्योगिक क्षेत्र में अग्निकांड के दौरान जो दो कर्मचारी शहीद हुए उन कर्मचारियों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाए। परिवार में पालन पोषण करने के लिए एक-एक सरकारी पक्की नौकरी दी जाए। गंभीर रूप से घायल कर्मचारियों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि अभी हड़ताल और चलेगी। उसके बाद आगे निर्णय लिया जाएगा।

यहां तैनात रहेंगी गाड़ियां

कैथल-6, कलायत-2, राजौंद-2, सीवन-1, चीका-5, पूंडरी-5, धनौरी-1 और ढांड- 1 गाड़ी तैनात की है, ताकि कहीं भी आग की घटना हो तो जल्द गाड़ियां वहां पहुंच सकें।

गुहला-चीका। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक वरिन्द्र सिंह मंडी का निरीक्षण करते।

इंस्पेक्टर-आढ़ती को कारण बताओ नोटिस के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

चीका अनाज मंडी में बारदाने की कमी की शिकायत पर डीसी अपराजिता ने कड़ा संज्ञान लेते खाद्य एवं पूर्ति विभाग के संबंधित इंस्पेक्टर और आढ़ती को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। डीसी ने स्पष्ट कहा कि अनाज मंडियों में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीसी के निर्देशों के बाद खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिन्द्र सिंह अन्य अधिकारियों के साथ शनिवार को चीका अनाज मंडी पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस पर खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक ने मौके पर ही अधिकारियों से जानकारी लेकर स्थिति में तुरंत बारदाने का समुचित वितरण सुनिश्चित कराया। साथ ही लापरवाही पाए जाने पर संबंधित इंस्पेक्टर व एक आढ़ती के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए तथा तय समय में जवाब तलब किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मंडियों में पारदर्शी और व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा किसानों की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा। एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह भी मंडी का दौरा कर आढ़तियों, किसानों की समस्या को सुना और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करके समाधान करवाया।

लापरवाही पर कार्रवाई

डीसी अपराजिता ने कहा कि पूरे जिले की मंडियों में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से चल रही है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश भी दिए हैं कि गेहूं खरीद का मामला हो या फिर बारदाना आदि का कोई मामला हो इसमें कोई भी लापरवाही ना बरती जाए। आढ़तियों व किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न आए।

वाहन चालकों को करना पड़ा भारी परेशानियों का सामना

किसानों ने नए नियमों के विरोध में लगाया जाम, जमकर नारेबाजी की

इयूटी मजिस्ट्रेट के साथ भारी सख्या में तैनात रहा पुलिस बल

नियमों के चलते किसानों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

किसानों ने अनाज मंडी में फसल डालने को लेकर बनाए गए नए नियमों के विरोध में शनिवार को जींद-पटियाला मार्ग पर तारखां कोठी के पास सुबह 11 बजे जाम लगा दिया। किसानों ने चार घंटे बाद दोपहर बाद तीन बजे जाम खोला। जाम के कारण वाहन चालको को परेशान का सामना करना पड़ा। अखिल भारतीय किसान सभा के राज्य प्रधान बलबीर सिंह ने कहा कि गेहूं खरीद को लेकर सरकार के नए नियमों के चलते नेशनल हाइवे को जाम किया है। सरकार ने गेहूं की खरीद को लेकर कुछ शर्तें लगाई है। पहली शर्तें लगाई है कि ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट, ड्राइविंग लाइसेंस, खेत में जिसके नाम पंजीकरण है उस किसान का आना जरूरी है। किसान के फिंगर प्रिंट लगने के बाद उसका फोटो अलोड किया जाएगा। इन नियमों के चलते किसानो को परेशानी हो रही है। आने वाले दिनों में मंडियों में किसानों के साधनों की भीड़ होगी। दाड़न खाप पूर्व प्रधान सूरजभान घसो ने कहा कि जब गेहूं बेचने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर दर्ज पंजीकरण ले रहे है तो बायोमेट्रिक का नियम क्यों लागू किया है। जो गेटपास है वो भी पहले की तरह होना चाहिए। इंटरनेट बंद होने से परेशानी होती है। ट्रैक्टर के बाद ट्राली पर भी नंबर लिखने की बात सामने आ रही है। जब गेहूं की कटाई चलती है तो ट्राली आपस में किसान एक-दूसरे से लेते है। जींद-पटियाला नेशनल हाईवे पर किसानों द्वारा जाम लगाने के कारण यह सड़क मार्ग 11 से तीन बजे तक पूरी तरह बाधित रहा। छोटे वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया गया था, लेकिन भारी वाहन सड़ पर ही खड़े रहे। ऐसे में चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसानों ने केवल एंबुलेंस को रास्ता दिया था। इसके अलावा कोई सेना के वाहन पर भी रोक नहीं थी। जाम को देखते हुए पुलिस ने शनिवार के लिए 11 बजे से तीन बजे तक जींद-नरवाना मार्ग पर रुट डायवर्ट किया हुआ था। पुलिस ने छोटे वाहनों के लिए खरक बूरा से खेड़ी मसानिय-सोढ़ा माजरा-दरोली खेड़ा-सुरबरा-गंलपुर-बडनपुर से सुंदरपुरा होते हुए बद्धोवाल टोल प्लाजा तक रुट बनाया था। इसी प्रकार नरवाना से जींद आने वाले छोटे वाहनों के लिए डूमरखां कंला कैंची मोड़ से डूमरखां खुर्द-सुदकैन कलां-काबरछा से सफा खेड़ी होते हुए नेशनल हाईवे-352 डी तक रास्ता डायवर्ट किया हुआ था।

उचाना। वाहनों को डायवर्ट करवाते पुलिस कर्मी। फोटो :हरिभूमि

उचाना। दिल्ली-पटियाला मार्ग पर जाम किए किसान। फोटो :हरिभूमि

बड़े वाहनों के लिए अलग बनाया था रूट प्लान

जो बड़े वाहन जींद से नरवाना जाने वाले थे उनको जींद-कैथल रोड बाइपास पुल के नीचे से नगूंरा-किठाना होते हुए कलायत और कैथल की तरफ से रवाना किया गया। नरवाना से जींद की तरफ आने वाले बड़े वाहनों को कलायत से किठाना होते जींद की तरफ डायवर्ट किया गया था।

बुलेट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

जींद। महिला थाना के निकट तेजरफ्तार बुलेट बाइक की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर फरार बुलेट बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव गौरगाय जिला छत्तरपुर निवासी नरेद्र भगत सिह कालोनी मे परिवार समेत किराए पर रह रहा था और ठेकेदार के पास मजदूरी करता था। फिलहाल वह महिला के निकट सडक पर मजदूरी कर रहा था। शाम को जब वह सडक पर कार्य कर रहा था तो तेजरफ्तार बुलेट बाइक ने उसे टक्कर मार दी। जिसमे नरेद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की अंजाम देकर चालक मौके से फरार गया। सहयोगी मजदूरो ने उसे नागरिक हस्पताल पहुचाया। जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई।

जींद। गंदगी से अटा नाला। फोटो :हरिभूमि

30 लाख से होगी नालों की सफाई

जींद। वर्षा के सीजन को देखते नगर परिषद शहर में नालों की सफाई करवाएगा। इसके लिए नगर परिषद ने 30 लाख 38 हजार रुपये की राशि का टेंडर लगाया है, जिसकी आनलाइन बिड अप्रैल माह के दूसरे सप्ताह के बाद खुलेगी। टेंडर अलाट होन के बाद एजेंसी को नालों की सफाई करनी होगी। शहर में नगर परिषद के अधीन 25 से अधिक नाले हैं, जिसकी लंबाई लगभग 30 किलोमीटर है। इसमें सेक्टर-10 व 11 के नाले भी शामिल हैं। इन नालों में गंदगी जमा होने पर वर्षा के पानी की निकासी नहीं हो पाती और शहर में जलजमाव की स्थिति पैदा हो जाती है। इस समस्या से निजात के लिए नगर परिषद ने मानसून सीजन से पहले ही तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि पिछले एक सप्ताह से जिले में रुक-रुक बारिश हो रही है। नरवाना क्षेत्र में पिछले दिनों ओलावृष्टि भी हुई है, लेकिन अभी कही भी जलजमाव जैसी स्थित नहीं आई है। शहर में नगर परिषद के लगभग 230 सफाई कर्मचारियों के भरोसे हैं, जिसमें से नालों की सफाई 20 से ज्यादा कर्मचारी लगे हुए हैं। शहर में वर्षा के मौसम में वर्षा के पानी की निकासी नहीं होने पर समस्या रहती है। वर्षा के समय शहर में गोहाना रोड, पटियाला चौक, नरवाना रोड पर पानी ज्यादा भर जाता है। इस दौरान वाहनों का आवागमन भी बाधित हो जाता है।

उठान न होने से राजौंद मंडी गेहूं से अटी

राजौंद। राजौंद अनाज मंडी में इन दिनों गेहूं की खरीद का कार्य पूरे जोर-शोर के साथ सुचारु रूप से जारी है। किसानों की मेहनत से तैयार हुई फसल अब मंडियों तक पहुंच रही है और प्रशासन द्वारा खरीद प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार को राजौंद, जाखौली और किठाना केंद्रों को मिलाकर कुल 63,958 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जो इस सीजन में खरीद की रफ्तार को दर्शाता है। मार्केट कमेटी के सचिव ओम प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को खरीद कार्य पूरी तरह व्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि उन्हें अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सचिव ने बताया कि किठाना अनाज मंडी में हरियाणा वेयरहाउस और हैफेड द्वारा कुल 22,634 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई। वहीं जाखौली परचेज सेंटर में 14,578 क्विंटल गेहूं खरीदा गया। इसके अलावा राजौंद अनाज मंडी में 26,746 क्विंटल गेहूं की खरीद दर्ज की गई।

राजौंद। अनाज मंडी में लगा गेहूं का ढेर। फोटो :हरिभूमि

कैथल। तितरम मोड पर धरना के दौरान नारेबाजी करते किसान। फोटो :हरिभूमि

किसानों ने तितरम मोड पर किया प्रदर्शन

कैथल। गेहूं खरीद न होने से खफा संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को जिले के विभिन्न किसान संगठनों ने हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे स्थित तितरम मोड़ के नीचे एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। हालांकि किसानों ने रोड जाम करने का भी प्रयास किया गया लेकिन वहां पर तैनात भारी पुलिस बल के चलते जाम सफल नहीं हो पाया। शनिवार सुबह करीब 11 बजे से ही जिले के अलग-अलग गांवों से किसान तितरम मोड़ पर पहुंचने शुरू हो गए थे। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट पास और बायोमेट्रिक प्रणाली को समाप्त करने की मांग उठाई। इसके साथ ही किसानों ने नए खरीद नियमों को तुरंत वापस लेने और पहले की तरह गेहूं की खरीद व्यवस्था बहाल करने की भी मांग की। प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं का कहना था कि एक ओर किसान मौसम की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार नई-नई प्रक्रियाएं लागू कर उन्हें कागजी कार्यवाही में उलझा रही है।

यात्रियों को होगा फायदा, मई माह तक मिलने की उम्मीद , 30 की डिमांड भेजी थी विभाग को

कैथल को जल्द मिलेगा 10 नई बीएस-6 बसों का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल जिलावासियों के लिए राहत की खबर है। कैथल डिपो के रोडवेज बेड़े में जल्द ही 10 नई बीएस-6 बसें शामिल होने जा रही हैं। इन बसों के आने से लंबे रूटों पर बसों की कमी से जूझ रहे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। सूत्रों के अनुसार कैथल रोडवेज द्वारा नई बसों के निर्माण की राशि पहले ही जमा करवाई जा चुकी है। अब इन बसों की सप्लाई प्रक्रिया अंतिम चरण में है और संभावना है कि मई के अंत या जून माह की शुरुआत तक ये बसें कैथल डिपो को मिल जाएंगी। नई बसों के शामिल होने से खासकर उन रूटों पर राहत मिलेगी जहां यात्रियों की संख्या ज्यादा है लेकिन बसों की उपलब्धता कम रहती है। इससे बसों के समय में सुधार होगा और यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही भीड़भाड़ की समस्या में भी कमी आएगी। फिलहाल कई रूटों पर पुरानी बसें ही संचालित हो रही हैं, जिनमें बार-बार तकनीकी खराबी की समस्या भी सामने आती रहती है। नई बीएस-6 बसों के आने से न केवल सफर ज्यादा आरामदायक होगा बल्कि संचालन भी सुचारू रहेगा। कैथल डिपो के रोडवेज बेड़े में इस समय 191 बसें हैं। इसमें 23 बसें किलोमीटर स्कीम के तहत चलाई जा रही हैं। 10 नई बसें शामिल होने के बाद रोडवेज के बेड़े में 201 बसें हो जाएंगी। नई बसों के शामिल होने से बेड़ा और मजबूत होगा और विभाग को रूट मैनेजमेंट में भी सहूलियत मिलेगी। पिछले लंबे समय से पुरानी बसों की संख्या बढ़ने के कारण रुटों पर बसों का संचालन काफी प्रभावित हो रहा था। अब नई बीएस-6 बसें आने के बाद डिपो में बीएस-6 बसों की भी संख्या 48 से बढ़कर 58 हो जाएगी। इससे लंबे रुटों पर बसों का संचालन सुचारु रुप से हो पाएगा।

मुख्यालय से मिली अनुमति

कार्यशाला प्रबंधक अनिल चोपड़ा ने बताया कि मुख्यालय के पास मार्च माह में 30 नई बीएस-6 तकनीक की बसों की मांग की थी। इसके बाद मुख्यालय ने इनमें से 10 बसों की अनुमति दी है। इन बसों के निर्माण की राशि भी जमा करवा दी गई है। अब मई के अंत या जून की शुरूआत में यह नई बसें डिपो के बेड़े में शामिल हो जाएंगी।

जींद। खेत मे कटाई के लिए तैयार गेहूं की फसल। फोटो :हरिभूमि

मौसम में दिनभर बना रहा उतार-चढ़ाव, हल्की बूंदाबादी

जींद। एक दिन मौसम साफ रहने के बाद शनिवार को फिर से करवट ले गया। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। सुबह के समय शहर के आसपास कुछ इलाको मे कुछ समय हल्की बूंदाबादी हुई। बार-बार मौसम बिगड़ने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही है। शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया। हवा की गति 12 किलोमीटर प्रति घंटा रही जबकि हवा में नमी की मात्रा 28 प्रतिशत दर्ज की गई। रात को ही मौसम ने करवट बदल ली थी। रात को ही आसमान में बादल छाने लगे थे। सुबह साढ़े छह बजे के आसपास अचानक काले बादल छाने लगे और आसमान से बूंदे गिरने लग गई। जो कुछ देर तक जारी रही, लेकिन जल्द ही यह रुक गई। हवा की गति भी कुछ तेज रही। आकाश मे बादलवाई दिनभर बनी रही। ऐसे में गेहूं कटाई का कार्य कुछ देर ही प्रभावित रहा। मौसम मे उतार चढाव ने किसानो को परेशान डाल रखा है। मौसम विज्ञानिक डा.राजेश ने बताया कि बार-बार मौसम बदलने से गेहूं कटाई तथा कढाई का कार्य प्रभावित हो रहा है। मौसम मे उतार चढाव बना रहेगा। किसान मौसम को ध्यान मे रख कर अपना कार्य करे।

खबर संक्षेप

घायल मजदूरों को उचित मुआवजा देने की मांग

जींद। एआईयूटीयूसी ने गुरुग्राम में मांगों को लेकर धरनारत मजदूरों पर पुलिस द्वारा किए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उन पर कार्रवाई व लाठीचार्ज में घायल मजदूरों को सही इलाज व उचित मुआवजा की मांग की है। एआईयूटीयूसी के प्रदेशाध्यक्ष राजिंद्र सिंह एडवोकेट, उपाध्यक्ष मेहर सिंह बांगड़ व जिला प्रधान सुधीर करसिंधु ने कहा कि गुरुग्राम में वेतन बढ़ोतरी व अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पिछले एक सप्ताह से आंदोलन कर रहे मजदूरों की मांगों का समाधान करने की बजाय पुलिस द्वारा आंदोलन को दबाना घोर निंदनीय है। इसे किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता। यह सरकार व प्रशासन के मजदूर विरोधी व कारपोरेट परस्त चेहरे को ही उजागर करता है।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज

जींद। जुलाना से युवती के संदिग्ध हालात मे गायब होने पर पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जुलाना की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी को कोई सुराग नही लगा। जुलाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगो के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूल से लौट रही छात्रा से अश्लील हरकत

जींद। जुलाना थाना इलाका गांव मे स्कूल से पढ़कर घर लौट रही छात्रा के साथ युवक ने अश्लील हरकत की। इतफाकिया बाइक सवार के आने के चलते आरोपित छात्रा को छोड़ कर धमकी देते फरार हो गया। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ अपहरण , अश्लील हरकत करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय सहिता के तहत मामला दर्ज किया है। जुलाना थाना इलाका गांव की नाबालिग लड़की ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया की वह पड़ोसी गाव के स्कूल मे दसवी कक्षा की छात्रा है। गत दिवस दोपहर को वह स्कूल से घर लौट रही थी। स्कूल से कुछ दूरी पर युवक ने पीछा करना शुरू कर दिया। जब गांव के बीच पहुची तो युवक ने पकड़ लिया और खेत में ले गया। बचाव में शोर मचाया। इतफाकिया उस रास्ते पर बाइक सवार आ गया। जिसे देख आरोपित फरार हो गया।

पुरानी पेंशन स्कीम की जाए लागू : प्रेम सिंह

जींद। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारी एसो की बैठक प्रेम सिंह की अध्यक्षता मे हुई। संचालन मियां सिंह ने किया। सबसे पहले देश सेवा में ड्यूटी के दौरान होने वाले बलिदानियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की । इसके बाद पुलिस कर्मचारियों की मांगों पर विचार करते विशेष तौर पर पुलिस विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को पक्का करने की सरकार से मांग की गई। इसके अतिरिक्त सरकार से मांग की गई कि कर्मचारियों व पेंशनरों की काफी समय से लंबित मांगे लागू की जाए।

मोतीलाल स्कूल में विद्यार्थियों की प्रगति पर मंथन

शिक्षा छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार: रविंद्र

अभिभावक-शिक्षक बैठक से शिक्षा का रिश्ता सशक्तः प्राचार्य

बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना और मार्गदर्शन अत्यंत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। मीटिंग में बच्चों की प्रगति रिपोर्ट लेते अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू विद्यालय में सत्र 2026-27 की पहली अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं व्यावहारिक प्रगति पर विस्तार से चर्चा करना था।विद्यालय परिसर में सुबह से ही अभिभावकों का आगमन शुरू हो गया था। विद्यालय प्रशासन द्वारा उनके स्वागत की समुचित व्यवस्था की गई । कक्षाओं में विषय अध्यापकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की प्रगति रिपोर्ट, उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, कमजोरियों और सुधार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभिभावकों ने भी खुलकर अपने विचार और सुझाव रखे, जिससे यह बैठक संवाद का एक सशक्त माध्यम बन गई। बैठक के दौरान यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर काफी जागरूक हैं और वे विद्यालय के साथ मिलकर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर हैं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के व्यवहार, अनुशासन, गृहकार्य, कक्षा में सहभागिता और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में प्रदर्शन के बारे में भी अभिभावकों को अवगत कराया। विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। उन्होंने बताया कि जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करते हैं, तो विद्यार्थियों का विकास अधिक प्रभावी और संतुलित होता है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित करना है। हम चाहते हैं कि अभिभावक अपने बच्चों की प्रगति को नजदीक से समझें और शिक्षकों के साथ मिलकर उनके विकास में सहयोग करें। ऐसी बैठकें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जब अभिभावक और शिक्षक एक ही दिशा में काम करते हैं, तो बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन मिलता है और वे अपनी कमजोरियों को सुधार पाते हैं। हमारा विद्यालय विद्यार्थियों की प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम नियमित मूल्यांकन, अतिरिक्त कक्षाएं, व्यक्तिगत ध्यान और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के विकास को सुनिश्चित कर रहे हैं। प्राचार्य ने अभिभावकों से भी कहा कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी पढ़ाई में रुचि लें और उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान करें। बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना और उनका मार्गदर्शन करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरानअभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण प्रणाली और अनुशासन की सराहना की।

महापुरुषों के संघर्ष से नागरिकों को मिला समानता का अधिकार: रिषी पाल हैबतपुर

- महात्मा फुले व बाबा साहब अंबेडकर के विचार आज भी समाज उत्थान की प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के सफीदों रोड स्थित गुरु रविदास धर्मशाला में शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के जिला प्रधान रिषीपाल हैबतपुर ने अपने संबोधन में महापुरुषों के जीवन और उनके संघर्षों को याद करते हुए कहा कि देश और समाज के उत्थान में महात्मा ज्योतिराव फुले एवं बाबा साहब का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले ने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिवाद और महिला अशिक्षा के खिलाफ एक लंबा संघर्ष किया। उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर देश में नारी शिक्षा की अलख जगाई और समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोडऩे का कार्य किया।

जींद। शोभा यात्रा को रवाना करते कांग्रेस जिला प्रधान रिषी पाल हैबतपुर।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए न केवल शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों को छुआ, बल्कि देश के संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस जिला प्रधान रिषीपाल हैबतपुर ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिलाया। उनके विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होने ने कहा कि आज देश की नारी शक्ति और वंचित वर्ग जिस सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं, वह इन महापुरुषों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में समानता, भाईचारा और शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। अन्य वक्ताओं ने भी ज्योतिबा फुले और बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। समारोह में राजेश पहलवान, कमल चौहान, धर्मपाल सिंहमार, रोशन दुग्गल, महेंद्रपाल बिबियान, गजराज मेहरा इत्यादि समस्त आयोजन मंडल द्वारा किया गया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि पंडित वजीर गांगोली, महाबीर गुप्ता, खाप नेता समुंदर फोर, विजय मोर, पवन दुहन राजा कंडेला, राजेश प्रधान, रमेश सैनी,जीतेन्द्र लाठर, कमल चौहान, राज कपूर, भट्टी, रमेश जोगी, विजय मोर,मयंक गर्ग, सुनील भट्टी,ओम पिलानिया, बंसीलाल गोहियाँ,साहिल खान सहित काफी सख्या मे लोग मौजूद थे।

दो पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

जींद। जिला पुलिस ने अलग अलग स्थानो से दो युवको को काबू कर उनके कब्जे से दो पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए है। सबधित थाना पुलिस आरोपितो से पूछताछ कर रही है। सीआइए स्टाफ जुलाना को शिकायत मिली थी कि गांव लिजवानां कलां के निकट युवक अवैध असलाह के साथ खड़ा हुआ है। जो कही जाने की फिराक मे है। सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से एक पिस्तौल तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में युवक की पहचान गांव मालवी निवासी संदीप के रूप मे हुई। वही सीआइए स्टाफ स्टाफ सफीदो ने सूचना के आधार पर सिवाहा निवासी सतीश को काबू कर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। सबधित थाना पुलिस ने अवैध असलाह के साथ पकड़े गए सदीप तथा सतीश के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआइए थाना प्रभारी अनूप सिह ने बताया अवैध असलाह के साथ पकड़े गए दोनो आरोपितो से असलाह कहां से लेकर आए। असलाह रखने के पीछे उदेश्य क्या था। इसके बारे मे पूछताछ की जा रही है।

सालासर व खाटू श्याम धाम के लिए बस रवाना

जींद। श्री खाटू श्याम जी परिवार जींद द्वारा आयोजित धार्मिक यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं का एक जत्था सालासर बालाजी एवं खाटू श्याम के दर्शनों के लिए रवाना हुआ। बस को अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी डॉ. राजकुमार गोयल ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कपिल देव, सावर गर्ग, दीपक गर्ग, अशोक गोयल, पवन बंसल, सुनील गोयल, सुनील गर्ग, गोपाल जिंदल, सोनू गर्ग व सतीश जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर राजकुमार गोयल ने कहा कि धार्मिक यात्राएं समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम होती हैं। श्री खाटू परिवार जींद द्वारा लंबे समय से ऐसे आयोजन किए जा रहे हैं जिनके माध्यम से काफी संख्या में श्रद्धालु सालासर बालाजी और खाटू श्याम जी के दर्शन कर पुण्य के भागी बन चुके हैं।

यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्य अतिथि राजकुमार गोयल।

जींद। वैल्यू एजुकेशन सेमिनार में मौजूद शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

सरकार ने जारी किया ये आदेश

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय वैल्यू एजुकेशन सेमिनार का आयोजन किया । सेमिनार प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार के सानिध्य में संपन्न हुआ। इसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।सेमिनार का संचालन अमित कुमार कलीराम डी.ए.वी पब्लिक स्कूल सफीदों एवं संजीव कुमार पीएम श्री जी.एस.एस.एस. मुआना स्कूल द्वारा किया गया। उन्होंने मूल्य शिक्षा के महत्त्व को विस्तार से समझाते हुए बताया कि किस प्रकार कक्षा शिक्षण में नैतिक मूल्यों को प्रभावी रूप से शामिल किया जा सकता है। प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि टीचर रोल मॉडल होना चाहिए। बच्चा जो देखता है वही सिखता है। अगर अध्यापक सादगी, ईमानदारी, जिम्मेदारी दिखाएगा तो बच्चा भी उसे अपने जीवन में लागू करेगा।

पीआईइटी क्वेस्ट 2026 में प्रिंस तृतीय

जींद। राजकीय महाविद्यालय के बीए अंतिम वर्ष के मेधावी छात्र प्रिंस ने पीआईइटी क्वेस्ट 2026 में तृतीय स्थान प्राप्त किया। पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पानीपत में आयोजित इस प्रतिष्ठित क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग तीन हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतिस्पर्धा में राजकीय महाविद्यालय, जींद के छात्र प्रिंस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। कॉमर्स सोसायटी के संयोजक लेफ्टिनेंट पंकज बत्रा ने भी छात्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की व उन्हें भविष्य में भी निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में शर्मिला, भूपेंद्र व उषा का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन व सहयोग से छात्र ने यह सफलता अर्जित की।

जींद। छात्र प्रिंस को सम्मानित करते महाविद्यालय प्राचार्य।

जींद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

आधारशिला स्कूल में मनाया बैसाखी पर्व

जींद। आधारशिला विद्यालय में बैसाखी के अवसर पर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से इस त्योहार के प्रति अपनी भावनाओं को प्रस्तुत किया। इसमें कविता, भाषण, लघु-नाटिका, नृत्य और गिद्धा आदि के द्वारा कार्यक्रम में समा बांध दिया। निदेशक अंजू सिहाग के अनुसार पंजाब व हरियाणा के अलावा उत्तर भारत में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। अपनी प्रस्तुतियों द्वारा छात्रों ने दर्शाया कि रबी फसल की कटाई के उपलक्ष्य में यह फसली उत्सव किसान एवं किसान परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के पकवानों द्वारा किसान ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके खेत-खलिहान इसी प्रकार अन्न व धन से भरे रहें। निदेशक अंजू सिहाग व प्रधानाचार्य सतवीर सिंह ने संबोधन में कहा कि यह दिन खुशहाली और समृद्धि की ओर इशारा करता है।

शहीद का दर्जा व मुआवजे की मांग पर अड़े कर्मचारी

गुहला-चीका। हरियाणा अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की प्रदेशव्यापी हड़ताल शनिवार को चौथे दिन भी जारी रही। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा शाखा एवं अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर ब्लॉक गुहला और सीवन के कर्मचारी दमकल केंद्र कार्यालय गुहला में धरने पर बैठे रहे। हड़ताल की अध्यक्षता नगर पालिका यूनियन ब्लॉक प्रधान पृथ्वीराम ने की, जबकि मंच संचालन अशोक कुमार ने किया। इस दौरान सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक गुहला के प्रधान पवन शर्मा भी कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए विशेष रूप से पहुंचे। पृथ्वीराम ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हड़ताल का चौथा दिन होने के बावजूद सरकार कर्मचारियों की मांगों की ओर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की केमिकल फैक्ट्री में आग बुझाते समय शहीद हुए कर्मचारी भविचंद शर्मा और रणवीर सिंह को शहीद का दर्जा दिया जाए। साथ ही उनके परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी दी जाए।

फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की नारेबाजी

जुलाना। कस्बे के फायर स्टेशन पर फायर ब्रिगेड कर्मचारियों का अपनी मांगों को लेकर चल रहा धरना शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रोष प्रकट किया धरने के दौरान फायरमैन जितेंद्र ने बताया कि फरवरी में फैक्टरी में भीषण आगजनी हादसे के दौरान ड्यूटी निभाते दो फायर ब्रिगेड कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए थे। उपचार के दौरान दोनों कर्मचारियों की मौत हो गई। कहा कि सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले एक पुलिसकर्मी को शहीद का दर्जा देते परिवार को सभी सुविधाएं प्रदान की हैं, लेकिन फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार द्वारा उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, जोकि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

नैन्सी अव्वल, नीतू द्वितीय रही

- सेव अर्थ, सेव लाइफ विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय महिला महाविद्यालय , जींद में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में सेव अर्थ, सेव लाइफ विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लीगल सेल एवं यूथ रेड क्रास क्लब के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता एवं हरित जीवनशैली से संबंधित आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पृथ्वी संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी को मजबूत करना था। कार्यक्रम का संचालन लीगल सेल प्रभारी डॉ. प्रतिभा एवं यूथ रेड क्रास स प्रभारी उर्मिला शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि पृथ्वी हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें जितेंद्र कुमार, संदीप शर्मा एवं डॉ. अमरजीत कौर शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, विषय की प्रस्तुति एवं संदेश की प्रभावशीलता के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नैन्सी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नीतू ने द्वितीय स्थान हासिल किया और महक ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अंत में विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने और अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

उचाना। कबड्डी प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

उज्ज्वल भविष्य के लिए युवा खेल अपनाएं: पूजा

कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

- 21 राज्यों की 42 टीमें प्रतियोगिता में दिखाएगी अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

11 अप्रैल से तीन दिवसीय नेशनल लेवल कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को 40 फूटा स्थित बाबा प्रेमनाथ खेल अकादमी के खेल मैदान में हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ लेफ्टिनेंट पूजा दिल्ली द्वारा किया। विभिन्न राज्यों से लडक़े, लड़कियों की टीम प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची है। प्रतियोगिता को लेकर होने वाले मैचों के लिए चार मैदान तैयार बनाए गए है। 21 राज्यों की 42 टीमें प्रतियोगिता में पहुंची। प्रतियोगिता आयोजन कबड्डी फैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा करवाया जा रहा है। खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था सर्व जातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां, आर्य आदर्श स्कूल, टैगोर स्कूल, ब्राह्मण धर्मशाला में की गई। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली खिलाड़ियों में से लड़कियों की टीम इंडिया का चयन भी किया जाएगा। ये टीम एशियन कबड्डी लीग में हिस्सा लेने पहुंचेगी। प्रतियोगिता में जिले भर से खाप, पंचायतों के प्रतिनिधि खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाने के लिए पहुंचेंगे। लेफ्टिनेंट पूजा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन होने से युवाओं को खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरणा मिलती है। खेलों के माध्यम से भी युवा अपना भविष्य बना सकते है। पढ़ाई के साथ-साथ आज खेलों का महत्व भी है। खेलों के माध्यम से युवा अपने सपने पूरा कर सकते है तो अपने गांव, माता-पिता, क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते है। प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस तरह की प्रतियोगिताओं में अलग-अलग राज्यों के खिलाड़ी आएंगे जिससे उनको एक-दूसरे से प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर जयभगवान करसिंधु, सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, सतीश खटकड़, शेरा कबड्डी कोच, महावीर शास्त्री, देशराज खरकभूरा मौजूद रहे।

समाजसेवी चतरभुज अत्री की 15वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम में बोले विधायक देवेंद्र

पिता के दिखाए रास्ते पर चल हर सपने को करूंगा पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

समाज सेवी स्व. चतरभुज अत्री की 15वीं पुण्य तिथि पर कसूहन गांव स्थित चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने अपने परिवार सहित रक्तदान शिविर में पहुंच पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्षेत्र भर से युवा, ग्रामीण, महिलाएं रक्तदान करने के लिए पहुंची। सुबह से ही शिविर में भीड़ होने लगी जो दोपहर तक जारी रही। 108 यूनिट रक्तदान शिविर में हुआ। रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट दिए गए। विधायक ने कहा कि मेरे पिता की पुण्य तिथि पर युवा साथियों ने मिलकर पैतृक गांव में रक्तदान शिविर लगाया। हलका वासियों को विश्वास दिलाता हूँ कि पिता के दिखाए रास्ते पर चलते हुए सच्ची श्रद्धा के साथ सभी लोगों की सेवाएं करूंगा। सभी से विशेषकर युवाओं से अपील करता हूँ कि बड़े बुजुर्गों के दिखाए रास्ते पर चलते हुए लोगों की सेवाएं करें समाज सेवा में अग्रणी रहे। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि ऐसे माता-पिता ने हमें जन्म दिया। मेरे पिता के लिए सच्ची श्रद्धांजलि यहीं है कि जिस तरह से निरंतर लोगों के बीच रह कर वो सेवा करते थे ऐसे ही सेवा करता रहूं। हमें विरासत में जनसेवा करने की प्रेरणा मिली है। निरंतर लोगों के बीच सप्ताह में पांच दिन रहता हूँ। कोई भी व्यक्ति मेरे से मिलता है छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए उनका निदान करने की कोशिश करता हूँ। मेरे पिता को सच्ची श्रद्धांजलि देने क्षेत्र भर से लोग, युवा पहुंचे। रक्तदान का दान सबसे बड़ा दान होता है। युवाओं से अपील करता हूँ कि वो हर क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए ये संकल्प लेकर हम निकलेंगे की निरंतर समाज सेवा हम करते रहे।

उचाना। स्व. चतरभुज अत्री को परिवार सहित श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ओमपति देवी, सतीश अत्री, हरिओम अत्री, संदीप चहल, सुरेंद्र खरकभूरा, गौरव भारद्वाज, सतीश जांगड़ा, श्रवण मांडी, संजय चहल, रोहताश खटकड़, प्रवीण गर्ग, रमेश अत्री, नरेश सौंगरी, दीपक करसिंधु, एडवोकेट अजय, गौरव अत्री, आनंद, पंकज करसिंधु, विशाल अत्री, योगेश, प्रेमपाल, शिवांशु, सुमित मौजूद रहे।

पाई अनाज मंडी में गेहूं खरीद कार्य का शुभारंभ

किसानों को कनक बेचने में कोई भी बाधा नहीं आने दी जाएगी : कृष्ण शर्मा

गेहूं की खरीद पूरी पारदर्शिता और सुचारू ढंग से की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी।

पाई अनाज मंडी में जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा गेहूं खरीद कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मार्केट कमेटी पाई के चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। खरीद प्रक्रिया शुरू होने से किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया और मंडी में सुबह से ही किसानों की आवाजाही बनी रही। इस अवसर पर चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी ने मंडी में पहुंचकर खरीद व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने खरीद शुरू होने पर संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि इस बार खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगी। चेयरमैन ने किसानों को आश्वासन देते कहा कि गेहूं की खरीद पूरी पारदर्शिता और सुचारू ढंग से की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, तिरपाल, बैठने की व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी में आने वाले प्रत्येक किसान की फसल को निर्धारित मानकों के अनुसार खरीदा जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी तरह की बाधा नहीं आने दी जाएगी। यदि किसी किसान को कोई समस्या आती है तो उसका तुरंत समाधान किया जाएगा। चेयरमैन ने कहा कि मंडी में खरीद कार्य के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। तुलाई के लिए पर्याप्त कांटे लगाए गए हैं, श्रमिकों की व्यवस्था की गई है और फसल की ढुलाई के लिए भी इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खरीद कार्य में तेजी लाई जाए ताकि किसानों को लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। इस दौरान उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसल को साफ-सुथरा करके मंडी में लाएं ताकि खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने ने अंत में कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मंडी में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कार्य का निर्वहन करें और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने दें। इस अवसर पर मंडी में उपस्थित किसानों ने चेयरमैन का धन्यवाद किया और कहा कि उनके आश्वासन से किसानों का मनोबल बढ़ा है। सभी ने उम्मीद जताई कि गेहूं खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चलेगी। इस अवसर पर मार्केट कमेटी सचिव जोगिंदर सिंह व मण्डी समिति प्रधान ईश्वर ढुल गेली व्योपारी थे।

अब खरीद शुरू होने से किसानों ने राहत की सांस ली

पाई। शनिवार को पाई अनाज मंडी में खरीद के 11वें दिन गेहूं की खरीद का कार्य शुरू हुआ, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही प्रवासी मजदूरों को भी रोजगार उपलब्ध होगा। आज मंडी में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा गेहूं की खरीद की गई। मंडी में पिछले कई दिनों से किसान अपनी फसल बेचने के लिए मंडी में बैठे हुए थे, परन्तु नमी की मात्रा ज्यादा बताकर अधिकारी खरीद से मना कर रहे थे। अब खरीद शुरू होने से किसानों ने राहत की सांस ली, वहीं दूसरे राज्यों से आए मजदूरों को भी रोजगार उपलब्ध होगा। मजदूर भी मंडी में रोजगार की तलाश में पिछले 10 दिनों से मंडी में बैठे हुए थे। इसके साथ आज करोड़ा खरीद केंद्र पर भी खरीद का कार्य शुरू हो गया है। करोड़ा में भी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा गेहूं की खरीद हुई।

कैथल। बैसाखी पर्व के दौरान इंडस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंडस स्कूल में बैसाखी का त्योहार धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया

- नन्हे-मुन्ने बच्चे और अध्यापक पारंपरिक पंजाबी वेशभूषा में सज-धज कर विद्यालय पहुंचे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

इंडस प्ले स्कूल में बैसाखी का त्योहार बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे एवं अध्यापक पारंपरिक पंजाबी वेशभूषा में सज-धज कर विद्यालय पहुंचे। बच्चों ने रंग-बिरंगी पगड़ियां, फुलकारी दुपट्टे और पंजाबी परिधान पहनकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।कार्यक्रम की शुरुआत बैसाखी के महत्व को बताते हुए की गई। इसके बाद बच्चों ने भांगड़ा और गिद्धाजैसे पारंपरिक पंजाबी नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर को भी पंजाब कीसंस्कृति के अनुरूप सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया।अध्यापकों ने बच्चों को बैसाखी के त्योहार के बारे में जानकारी दी और इस पर्व की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डाला। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ गतिविधियों में भाग लिया और त्योहार का भरपूर आनंद उठाया। विद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार के के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताते हुए सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं दीं।

गायत्री स्कूल में हवन के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

कैथल। गायत्री पब्लिक स्कूल में हवन-यज्ञ के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया गया। हवन-यज्ञ में स्कूल के समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों ने आहुति के साथ-साथ मंत्रोच्चारण भी किया। बच्चों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद मांगा। स्कूल प्रधानाचार्या वनीता गुप्ता ने कहा कि मंत्रों के गायन से वातावरण मधुमय होता है और विद्यार्थियों में धार्मिक भावना जागृति उत्पन्न होती है। उन्होंने बताया कि सोमवार से ही दाखिला प्रक्रिया चल रही है। वहीं आयुष गर्ग ने विद्यार्थियों को नव सत्र की शुभकामनाओं के साथ-साथ नए सत्र में कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार हम अपने नए घर में आगमन करने से पहले उसमें हवन करवाते हैं, ठीक उसी प्रकार स्कूल का नया शैक्षणिक वर्ष आरंभ हो रहा है। सभी अध्यापकों ने पूर्ण श्रद्धा से मंत्र उच्चारण के साथ आहुतियां डालकर स्कूल में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करके छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगा महिलाओं का सम्मान और नेतृत्व : निधि

कैथल। जिला स्तर पर महिला सशक्तिकरण को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की जिला सचिव निधि मोहन ने अपने विचार साझा करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान ने देश में बेटियों के प्रति सोच को सकारात्मक दिशा दी है और आज बेटियां शिक्षा एवं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। इस पहल ने समाज में जागरूकता बढ़ाई और बेटियों को आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। निधि मोहन ने आगे कहा कि "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" महिलाओं को राजनीति में भागीदारी का एक मजबूत अवसर प्रदान करता है, जिससे लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समावेशी बनेगा। इस अवसर पर उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा भाजपा सरकार का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए ये ऐतिहासिक निर्णय महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करें और इस परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनें।अंत में उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं के विकास, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

श्मशान घाट से मोटर पंखा और तार चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

थाना कलायत पुलिस द्वारा गांव बड़सीकरी कलां में हुए चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गांव बड़सीकरी कलां सरपंच अमृतलाल की शिकायत अनुसार उनके गांव के सैंसी शमशान में लगे समर्सिबल नलका से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मोटर, पंखा व करीब 30 फुट केबल तार चोरी कर लिया गया। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच थाना कलायत प्रभारी एसआई सुभाष चंद्र की अगुवाई में एएसआई सुखदेव की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव बड़सीकरी खुर्द निवासी विक्रम उर्फ धोला को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोटर पंखा बरामद कर लिया गया।

सांसद जिन्दल के कार्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

कैथल। सांसद नवीन जिन्दल कार्यालय में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों और योगदान को स्मरण करते हुए समाज में समानता और शिक्षा के प्रसार का संकल्प भी लिया। इस कार्यक्रम में सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए संघर्ष करते हुए बिताया। उनका जीवन वंचितों और शोषितों के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज में फैली बुराईयों के खिलाफ संघर्ष करने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बनाया। आज के समय में महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में समानता, न्याय और शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।

गाड़ियों के शीशे तोड़कर चोरी की वारदात मामले में आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

थाना सिविल लाइन कैथल क्षेत्र अंतर्गत पटेल नगर, सरकारी पशु अस्पताल के नजदीक गली में खड़ी कई गाड़ियों के शीशे तोड़कर बैटरी व गाड़ी से नकदी चोरी करने के मामले में सीआईए-1 पुलिस द्वारा दूसरे आरोपी को काबू कर लिया गया। पटेल नगर कैथल निवासी सतीश कुमार की शिकायत अनुसार 7 जनवरी की सुबह पटेल नगर निवासी नागरिकों ने देखा कि गली में खड़ी उनकी गाड़ियों के शीशे टूटे हुए हैं। गली में खड़ी कई गाड़ियों में के शीशे तोड़े गए तथा एक गाड़ी से बैटरी व गाड़ी में रखी नकदी भी चोरी की गई। मामले की जांच सीआईए-1 पुलिस प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई बिजेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी शिव कालोनी कैथल निवासी कृष्ण को काबू कर लिया गया।

बुजुर्ग श्रद्धालुओं को कराईं जाएगी श्री हजूर साहिब की निःशुल्क यात्रा

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के अंतर्गत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी 5 मई को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इच्छुक श्रद्धालु 15 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। चयन प्रक्रिया "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर होगी, इसलिए पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करे।

प्रदेश के किसानों पर मुसीबतें अपार: आदित्य

- अनाज मंडी में गेहूं खरीद का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने आज कैथल की अनाज मंडी का दौरा किया। किसानों को आ रही दिक्कतें और उठान ना होने पर भाजपा सरकार पर हमला बोला। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार किसानों की रबी फसलों, खासकर गेहूँ और सरसों की एमएसपी पर खरीद को चोर-दरवाजे से खत्म करने का क्रूर षडयंत्र रच रही हैं। तीन काले कृषि कानूनों को किसान आंदोलन के दबाव में मजबूरन वापस लेने के बाद अब ये सरकारें 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल के नाम पर नई-नई उलझने, बायोमेट्रिक अड़ंगे, ट्रैक्टर-ट्रॉली फोटो अपलोड, समय प्रतिबंध और अन्य अव्यावहारिक शर्तें थोपकर किसानों को मंडियों तक पहुँचने से पहले ही निराश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह 'तुगलकी फरमान' असल में छोटे-सीमांत किसानों, भूमिहीन पट्टेदार किसानों, ट्रैक्टर-ट्रॉली न रखने वाले किसानों और उन परिवारों के लिए मुसीबत बन गया है जो दिन-रात खेतों में मेहनत करते हैं।

कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने किया कलायत अनाज मंडी का दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश जेपी ने कहा कि सरकार केवल किसानों की परेशानियां बढ़ाने के लिए रबी फसल की खरीद के नाम पर तरह-तरह के नियम लागू कर रही है। अव्यवस्था से मंडियों-खरीद केंद्रों पर किसान, मजदूर व व्यापारी बुरी तरह से परेशान हैं। सांसद को कलायत अनाज मंडी का दौरा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चाहिए तो यह था कि मंडियों में खरीद के बेहतर प्रबंध किए जाते। समय पर फसल की बिक्री होती। उलटे किसानों को नुकसान पहुंचाने के लिए साजिश के तहत खरीद कार्य में अड़चन पैदा की जा रही हैं। सरकार की इस प्रकार की मनमानी को कांग्रेस कतई सहन नहीं करेगी।

कांग्रेस के नेता, सांसद, विधायक व पदाधिकारी-कार्यकर्ता लगातार इस प्रकार की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद कर रहे हैं। जेपी ने कलायत विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक के कार्यकाल में विकास कार्यों को गतिमान न करने के लिए पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा की बजाए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

सीटू 16 अप्रैल को राज्य भर में सड़कों पर उतरेगी : नरेश

कैथल। मानेसर में मजदूरों की बिना शर्त रिहाई के लिए सीटू 16 अप्रैल को राज्य भर में सड़कों पर उतरेगी। उक्त बात सीटू जिला सचिव नरेश रोहेड़ा व सीटू नेता मास्टर जयप्रकाश शास्त्री ने संयुक्त प्रेसब्यान में कही।सीटू नेताओं ने कहा कि कारखानों में काम करने वाले मजदूरों का आज भयंकर शोषण किया जा रहा है। मजदूरों से बिना किसी ओवरटाइम के 12 से 14 घण्टे काम लिया जा रहा है और साप्ताहिक अवकाश तक का मजदूर आज मोहताज हो चुका है। उन्होंने कहा कि मानेसर में हुए घटनाक्रम के लिए मालिक और खुद सरकार इसकी जिम्मेदार है। क्योंकि ट्रेड यूनियनों की मांग के बावजूद पिछले 6 साल से न्यूनतम मजदूरी तय नहीं कि जा रही थी। ट्रेड यूनियनों ने प्रदेश में 26 हजार वेतन तय करने की मांग उठाई। 8 मई से लेकर 29 दिसम्बर 2025 तक न्यूनतम वेतन तय करने के लिए 9 त्रिपक्षीय (श्रम विभाग, ट्रेड यूनियनों और मालिक प्रतिनिधियों के बीच) बैठक हुई।

कार्यक्रम श्री सनातन धर्म मंदिर में बैसाखी महोत्सव आज

प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए विभिन्न उपहार प्रदान किए जाएंगे

- प्रत्येक महिला को रिटर्न गिफ्ट प्रदान किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। अग्रवाल युवा सभा के बैसाखी महोत्सव के सभा के प्रधान रामप्रताप गुप्ता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल युवा सभा कैथल के तत्वावधान में महिला इकाई द्वारा बैसाखी महोत्सव का भव्य आयोजन 12 अप्रैल रविवार को श्री सनातन धर्म मंदिर परिसर कोठी गेट कैथल में किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें केवल महिलाओं के लिए विशेष प्रवेश रहेगा।

सभा के प्रधान रामप्रताप गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा महिलाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं।

कार्यक्रम की संयोजक किरण सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों द्वारा सुंदर एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगी। प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए विभिन्न उपहार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान देकर सम्मानित किया जाएगा।

सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह आयोजन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक समृद्धि एवं महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

200 महिलाएं लेंगी भाग

संयुक्त सचिव हिमांशु गोयल एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 200 महिलाएं भाग लेंगी। सभी महिलाओं को प्रवेश के लिए कूपन वितरित किए गए हैं तथा कार्यक्रम में शामिल होने वाली प्रत्येक महिला को रिटर्न गिफ्ट भी प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए जाएंगे तथा नाश्ते की भी समुचित व्यवस्था रहेगी।

उत्सव में भाग लेने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते कॉलेज स्टॉफ।

चौ. ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय फतेहपुर-पुण्डरी में महाविद्यालय अध्यक्ष चौ. तेजबीर सिंह के तत्वाधान में साहित्यिक सभा रू-ब-रू के द्वारा 04 से 11 तक सात दिवसीय साहित्यिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें अंग्रेजी, संस्कृत तथा पंजाबी भाषा के विविध आयामों को शामिल किया गया। उत्सव का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शकुन्तला सिंगला ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया तथा छात्राओं को इस साहित्यिक उत्सव का रचनात्मक महत्व बताते उन्हें इस उत्सव में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन में विविध शैक्षणिक गतिविधियों का समावेश किया गया, जिनका उद्देश्य छात्राओं की भाषाई दक्षता, रचनात्मकता, आत्म-अभिव्यक्ति तथा वैचारिक क्षमता को बढ़ाना था। साहित्यिक उत्सव में वार्तालाप, कविता-पाठ, समूह चर्चा, संवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रस्तुति, स्कैचिंग, सुलेख, सुविचार लेखन व पोस्टर मेकिंग आदि रचनात्मक अभिव्यक्ति से परिपूर्ण गतिविधियां सम्मिलित की गई जिसमें महाविद्यालय की 250 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की संयोजिका अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा डॉ. गीता जायसवाल ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस तरह के रचनात्मक आयोजन छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अहम् भूमिका निभाते है। उन्होंने खुशी जताई कि इस उत्सव में कॉमर्स, आर्ट्स, विज्ञान तथा कम्प्यूटर विभाग तथा अंग्रेजी के स्नातकोत्तर विभाग की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस के कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि ज्योति सेठ प्रधानाचार्या, आर.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुण्डरी, के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात बी.ए. द्वितीय (II) की छात्रा खुशी ने संस्कृत गीत गणेश वन्दना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। एम.ए. अंग्रेजी की छात्राओं अस्मि, चेतन्या, मुस्कान, नितिका, सिमरन व रिचा ने रूबरू डांस प्रस्तुत किया।

खबर संक्षेप

लोस में महिलाओं की बढ़ेगी भागीदारी: डॉ. सैनी

जींद। नप की चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से लोकसभा चुनाव 2029 से ही महिलाओं को 33 प्रतिशत भागीदारी मिल सकती है। चेयरपर्सन ने बताया कि केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने की दिशा में तैयारी कर रही है और इसी माह संसद में इसे प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। डॉ. अनुराधा सैनी ने इस पहल पर कहा कि मोदी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

डॉ. अनुराधा सैनी

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना, 15 तक कराएं पंजीकरण: उपायुक्त

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को झंडी दिखाकर संगत को रवाना करेंगे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है।

डीसी मोहम्मद इमरान रजा

क्यूआर कोड स्कैन कर सेल्समैन से 5 हजार ठगे

कैथल। बाता गांव के पास स्थित हाईवे फ्यूल्स पेट्रोल पंप के सेल्समैन से क्यूआर कोड स्कैन कर नकद भुगतान करने के नाम पर पांच हजार रुपये ठग लिए गए। इस संबंध में पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन नवदीप सिंह निवासी नरड़ हाल खरक पाण्डवा ने शिकायत दी है। कलायत थाना में दी शिकायत में बताया गया कि 10 अप्रैल की रात करीब 8:38 बजे एक कार में सवार दो युवक पेट्रोल पंप पर आए।

सबमर्सिबल मोटर व तार चोरी का आरोपी पकड़ा

कैथल। गांव बड़सीकरी कलां में शमशान घाट से सबमर्सिबल मोटर पंखा व तार चोरी मामले में पुलिस ने एक आरोपी काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव बड़सीकरी कलां सरपंच अमृतलाल ने शिकायत दी थी कि गांव के एक शमशान में लगे समर्सिबल नलका से अज्ञात ने मोटर, पंखा व करीब 30 फीट केबल तार चोरी की। इस बारे कलायत थाना में केस

गेहूं कटाई के लिए ढूंढे नहीं मिल रहे मजदूर

राजौंद। गेहूं कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। जहां कुछ लोग तूड़ी बनाने के लिए मजदूरों से गेहूं की कटाई हाथ से करवा रहे हैं। वहीं अधिकतर किसान कम्बाइन मशीन का सहारा लेकर गेहूं कटाई को समेटने में जुट गए हैं। हालांकि कम्बाइन मशीन की कटाई से किसानों को काफी नुकसान होता है लेकिन किसान अपनी छह महीने की फसल को समेटने के लिए दिनरात एक कर रहे हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालु तैयार, दो दिन में ही 50 से अधिक श्रद्धालुओं ने मेडिकल प्रक्रिया को करवाया पूरा

यात्रा पर जाने से पहले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक मेडिकल प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। यात्रा पर जाने से पहले आवश्यक मेडिकल प्रक्रिया को जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पतला में शुरू किया गया है। हालांकि यात्रा जुलाई माह में शुरू होने के आसार हैं। बावजूद इसके यात्रा में जाने के लिए जरूरी मेडिकल की प्रक्रिया को पूरा करवाने के लिए श्रद्धालु पहुंचना शुरू हो गए हैं। पिछले दो दिन में सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने नागरिक अस्पताल पहुंच मेडिकल प्रक्रिया की जानकारी हासिल की है। जबकि 50 से अधिक श्रद्धालुओं ने तो अपनी मेडिकल प्रक्रिया को पूरा भी करवा लिया है।

जुलाई माह से शुरू होने की संभावना व अगस्त माह तक जारी रहेगी यात्रा

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए हैं आदेश

स्वास्थ्य विभाग ने अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की चिकित्सा जांच शुरू करने के आदेश जारी किए हैं। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष जुलाई माह से शुरू होने की संभावना है और आगामी अगस्त तक जारी रहेगी। हर बार की तरह इस बार भी सावन माह में श्रावणी मेले के दौरान बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं ने अपनी तैयारियां कर ली हैं।

अमरनाथ यात्रा पर जाने से पहले ये जरूरी

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की वेबसाइट से चिकित्सा जांच करवाने के लिए फार्म डाउनलोड करना होगा। इसके बाद जिला नागरिक अस्पताल में चिकित्सा जांच प्रमाण पत्र बनवाने के लिए फार्म के साथ पासपोर्ट फोटो लगाना होगा। चिकित्सा जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद कमरा नंबर 22 में स्वास्थ्यअधिकारी के हस्ताक्षर होंगे। जिसके बाद प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। इसके बाद इसे संबंधित बैंक की शाखा में पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए चिकित्सा जांच प्रमाणपत्र, आधार कार्ड की फोटो प्रति होना जरूरी है।

जींद। नागरिक अस्पताल में मेडिकल करवाने आए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

हर दिन दस से 20 श्रद्धालु चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल पहुंच रहे : पीएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की चिकित्सा जांच शुरू कर दी गई है। जिस भी श्रद्धालु को अमरनाथ जाना है, उसके लिए मेडिकल का एक निर्धारित फार्म है। यह चिकित्सा जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही श्रद्धालुओं को चिकित्सा प्रमाणपत्र जारी किया जा रहा है। हर दिन दस से 20 श्रद्धालु चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं।

इन श्रद्धालुओं को यात्रा पर जाने की अनुमति

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की उम्र 14 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। छह सप्ताह या उससे ज्यादा की गर्भवती अमरनाथ की यात्रा नहीं कर सकत हैं। अमरनाथ की यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी ऊंचे तक चढ़ाई चढनी होती है तो इसकी वजह से सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। यही कारण है कि अस्थमा और फेफड़ों से संबंधित तकलीफ से जूझने वाले श्रद्धालु इस यात्रा के लिए शारीरिक रूप से फिट नहीं माने जाते हैं।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार का बुनियादी सुविधाओं पर जोर : मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार ने बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया है। गांवों में सडक़, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है। डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने बस्ती चलो गांव चलो अभियान के तहत शनिवार को जींद हलका के विभिन्न गांवों एवं शहर की बस्तियों का दौरा के दौरान लोगो को सबोधित कर रहे थे। उन्होने गांव जुलानी से अपना अभियान शुरू किया। इसके बाद जाजवान, बरसोला, झांझ खुर्द, रूपगढ, जींद शहर की दुर्गा कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड तथा बूढ़ा बाबा बस्ती समेत अनेक गांवों एवं शहर की कालोनियों का दौरा कर गत 5 अप्रैल को जींद में हुई धन्यवाद एवं विकास रैली की अपार सफलता के लिए भी लोगों का धन्यवाद किया एवं बधाई दी तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जन हितैषी योजनाओं की सिलसिलेवार लोगों के साथ जानकारी साझा की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित गांवों में अधूरी चौपालों के निर्माण कार्य को पूरा करने जैसी अति महत्वपूर्ण मांगो को पूरा करवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा डिप्टी स्पीकर का फूल मालाओं, चद्दर तथा पगड़ी भेंट कर पूरे गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

शिक्षा को रोजगार से जोडक़र हो रहा युवाओं का भविष्य सुरक्षित

जींद। लोगो को सबोधित करते विस डिप्टी स्पीकर डा.कृष्ण लाल व उपस्थित ग्रामीण।

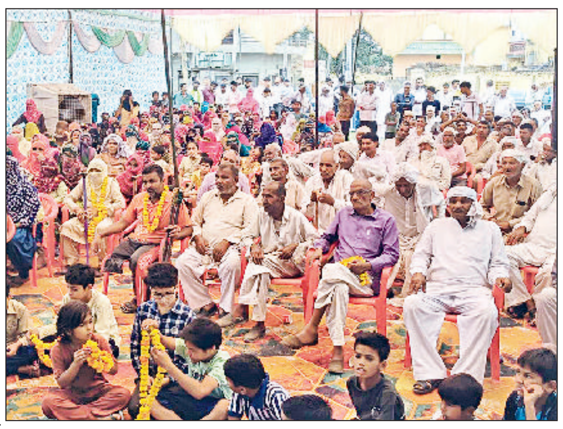

ये रहे मुख्य रूप से उपस्थित

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए भी हरियाणा सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। इस अवसर पर उनके साथ जींद के एसडीएम सत्यवान सिंह मान, बीडीपीओ सुरेंद्र खत्री, राकेश भारद्वाज, लोक निर्माण विभाग कार्यालय जींद के कार्यकारी अभियंता राजकुमार नैन, बीजेपी के रामफल शर्मा, लीला ठेकेदार, अक्षय रेढ़ू, पूर्व सरपंच दिलबाग, सरपंच नरेश कुमार, मंडल अध्यक्ष सुमन सिंह, , बलवंत सिंह, ठंडी खोखरी, साहब सिंह लोहचब के अलावा भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिना खर्ची-पर्ची के मिल रही नौकरियां

डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाना है और सरकार भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ जनहित में कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा हर वर्ग के कल्याण एवं विकास के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने किसानों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। उन्होने कहा कि युवाओं के लिए सरकार ने रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा स्पष्ट तौर पर प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाते हुए बिना खर्ची और बिना पर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं।

विधायक के निर्देश के 24 घंटे बाद अतिरिक्त मंडी में अटल कैंटिन शुरू

- 10 रुपये में मिलेगा भरपेट भोजन, मजदूरों, किसानों ने की थी विधायक से मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी शहर से काफी दूर है। गेहूं के सीजन में यहां पर आने वाले मजदूरों, किसानों को खाना-खाने के लिए काफी दूर जाना पड़ता है। कपास मंडी स्थित किसान सेवा केंद्र में चल रही अटल कैंटिन की तरह गेहूं के सीजन में अतिरिक्त मंडी में अटल कैंटिन शुरू करने की मांग विधायक से की थी। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को शुक्रवार को निर्देश दिए थे। विधायक के निर्देश के 24 घंटे के बाद अतिरिक्त मंडी में अटल कैंटिन शुरू हुई। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने इसका शुभारंभ किया। आढ़तियों, किसानों, मजदूरों ने विधायक का आभार प्रकट किया। सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि अंत्तोदय का सपना सरकार का है। कपास मंडी में स्थित किसान सेवा केंद्र में अटल कैंटिन चल रही है। गेहूं का सीजन चल रहा है। हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में भी अटल कैंटिन विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के निर्देश पर शुरू की है ताकि यहां पर आने वाले किसान, मजदूर, आढ़ती खाना यहां खा सकें। यहां पर 10 रुपए में भरपेट खाना मिलता है। प्रवासी मजदूर, किसान, आढ़ती, आमजन यहां पर 10 रुपए में भरपेट भोजन कर सकता है।

सराहनीय कार्य

आढ़ती संदीप चौधरी ने कहा कि अटल कैंटिन की जो योजना सरकार की है वो सराहनीय है। 82 एकड़ में बनी अतिरिक्त मंडी में अटल कैंटिन गेहूं के सीजन में शुरू करके सराहनीय कार्य किया है। यहां पर गेहूं के सीजन में इसकी जरूरत थी। 10 रुपए में यहां कोई भी भरपेट खाना खा सकता है। प्रवासी मजदूर रमेश कुमार कैंटिन जो शुरू की है वो बहुत बढि?ा है। खाना कैंटिन में बढिया बनता है सरकार की ये योजना बढि?ा है। कैंटिन खुलने के बाद सही हो गया है। गेहूं के सीजन में वो भूख मरते थे यहां खाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। हम दूसरे राज्य से काम के लिए आए है। यहां जो कैंटिन खुली है वो बहुत बढिया हो गया है। इस मौके पर राजा बुडायन, हरिकेश, शीशपाल चहल मौजूद रहे।

19वीं सदी में शुरू हुए नुक्कड़ नाटक: मूर्ति

- नाटक देश में राजनीतिक जागरूकता पैदा करने का प्रभावी माध्यम

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

राष्ट्रीय नुक्कड़ नाटक दिवस पर एक्टिव थियेटर एंड वेलफेयर सोसायटी के सचिव रंग कर्मी रमेश मूर्ति भनवाला ने कहा कि सृष्टि का पहला नाटक तो कोई नुक्कड़ नाटक ही रहा होगा। भारत में सामाजिक और राजनैतिक जागरूकता पैदा करने का एक लोकप्रिय और प्रभावी माध्यम है। जिसकी शुरूआत 19वीं सदी में हुई। रंगकर्मी रमेश कुमार ने कहा कि नुक्कड़ नाटक एक ऐसी नाट्य विधा है, जो किसी सडक़, गली, चौराहे या भी सार्वजनिक स्थल पर खेला जाता है।

जींद। बच्चों को जानकारी देते रंग कर्मी रमेश मूर्ति भनवाला। फोटो: हरिभूमि

नाटकों से शुरू हुआ विदेशी शासनों का विरोध

रमेश मूर्ति भनवाला ने कहा कि आधुनिक युग में जिस रूप में हम नुक्कड़ नाटकों को जानते हैं, उनका इतिहास भारत के स्वाधीनता संग्राम के दौरान कौमी तरानों, प्रभात फेरियों और विरोध के जुलूसों के रूप में देखा जा सकता है। इसी का एक विधिवत रूप इप्टा जैसी संस्था के जन्म के रूप में सामने आया, जब पूरे भारत में अलग-अलग कला माध्यमों के लोग एक साथ आकर मिले और क्रांतिकारी गीतों, नाटकों व नृत्यों के मंचनों और प्रदर्शनों से विदेशी शासन एवं सत्ता का विरोध आरंभ हुआ।

कुरीतियों को समाप्त करना ही सच्ची श्रद्धांजलि: जांबा

- बाबा साहेब आंबेडकर व ज्योतिबा फूले की जयंती पर जिले में हुए कई सामाजिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में आज बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर और ज्योतिबा फुले की जयंती पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में विधायक सतपाल जाम्बा ने भाग लेते हुए महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में विधायक ने लोगों के साथ मिलकर बाबा साहब और ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किए। विशेष रूप से फतेहपुर और फरल में जाकर भी विधायक ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और सम्मान का माहौल देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का अवसर है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त कर शिक्षा और समानता को बढ़ावा देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विधायक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के कार्यों में आगे आएं और एक सशक्त एवं समरस समाज के निर्माण में योगदान दें।

पूंडरी। प्रोग्राम में शिरकत करते विधायक सतपाल जाम्बा। फोटो: हरिभूमि

सुधारकों ने दी समाज को नई दिशा

विधायक सतपाल जाम्बा ने अपने संबोधन में कहा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारकों ने समाज को नई दिशा दी है। उनकी शिक्षाएं आज भी हमें समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाती हैं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज को आगे बढ़ाना है।

केंद्र और राज्य सरकार जनसेवा एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता से कर रही है कार्य : अशोक गुर्जर

ढांड। गांव फरल में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत जनसंवाद कार्यक्रम किया गया। वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने फूलों की माला डालकर भव्य स्वागत किया व संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर का चित्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं नमन कर किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पहुंचकर आमजन को केंद्र की मोदी सरकार तथा हरियाणा की हरियाणा सरकार की जनहितकारी नीतियों और योजनाओं से अवगत कराना है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

सीआएसयू पीएचडी घोटाले पर एबीवीपी में आक्रोश

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में पीएचडी प्रबंधन प्रवेश 2024 में हुई गंभीर अनियमितताओं और घोटाले की जांच एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पूर्ण न होने पर गहरा रोष जताया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि फरवरी 2025 में विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में हुए विरोध-प्रदर्शनों, लिखित शिकायतों, साक्ष्यों और लगातार मांगों के बावजूद आज तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। एबीवीपी जींद विवि अध्यक्ष सतविंदर ढिल्लो ने बताया कि कि पीएचडी प्रबंधन प्रवेश 2024 की प्रक्रिया में मेरिट, पारदर्शिता और यूजीसी/ विश्वविद्यालय नियमों की अनदेखी की गई। पात्र अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है।

35 लाख से शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य, जल संरक्षण को मिलेगी मजबूती

रसूलपुर में पौराणिक तालाब का होगा कायाकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

हल्का गुहला के गांव रसूलपुर में स्थित पौराणिक तालाब के जीर्णोद्धार कार्य की विधिवत शुरुआत हो गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के साथ-साथ ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पौराणिक तालाब जैसे धरोहर स्थल हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं, जिन्हें संजोकर रखना बेहद जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। उन्होंने जानकारी दी कि इस परियोजना पर करीब 35 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके तहत तालाब के चारों ओर मजबूत चारदीवारी का निर्माण किया जाएगा तथा सौंदर्यकरण के कार्य किए जाएंगे। इससे जहां गांव की सुंदरता बढ़ेगी, वहीं जल संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व विधायक का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया और कार्य शुरू होने पर खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने इस विकास कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों व प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि इससे गांव को नई पहचान मिलेगी। इस मौके पर पंचायत समिति से जुड़े प्रतिनिधि, बीडीपीओ कार्यालय के अधिकारी तथा गांव के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कैथल। रसूलपुर में पौराणिक तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन करते पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर व उपस्थित ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

चारदीवारी, घाट व लाइटिंग से बदलेगी सूरत

करीब 35 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस जीर्णोद्धार कार्य में तालाब के चारों ओर मजबूत चारदीवारी बनाई जाएगी, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा तालाब परिसर में पैवर ब्लॉक बिछाकर स्वच्छ व आकर्षक वातावरण तैयार किया जाएगा। रात्रि के समय रोशनी के लिए रंगीन लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। लोगों के बैठने के लिए उचित स्थान विकसित किया जाएगा, जिससे यह स्थल धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक मेलजोल का केंद्र भी बन सकेगा।

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), **रचनाकारः** जमुना बीनी, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

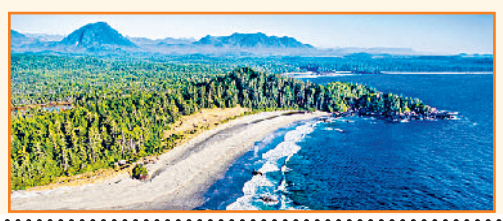

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

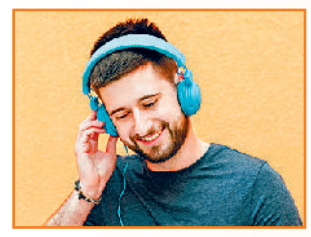

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *